बेटी बचाओ बेटी पढाओ योजना

प्रलिम्सि के लयि:

बेटी बचाओ बेटी पढाओ योजना

मेन्स के लयि:

बेटी बचाओ बेटी पढाओ योजना का महत्त्व एवं उद्देश्य

चर्चा में क्यों?

महलिाओं के सशक्तीकरण से संबंधति एक संसदीय समतिनि वर्ष 2014 से 2019 तक बालकिाओं पर लक्षति कार्यक्रमों वशिष रूप से 'बेटी बचाओ, बेटी पढाओ' (BBBP) योजना के लयि आवंटति केंद्रीय धन के कम उपयोग पर चति जताई है।

प्रमुख बदि

- **समतिकि नष्किर्ष:**
  - **नधिका कम उपयोग:**
    - वर्ष 2014-15 में BBBP की शुरुआत के बाद से के कोवडि प्रभावति वत्तिीय वर्ष 2020-21 को छोड़कर वर्ष 2019-20 तक इस योजना के तहत कुल बजटीय आवंटन 848 करोड़ रहा।
    - इस दौरान राशरिाज्यों को 622.48 करोड़ रुपये जारी कयि गए लेकनि राज्यों और केंद्रशासति प्रदेशों द्वारा इस नधिकिी केवल 25.13% धनराशखिर्च की गई है।
  - **नधियों का अनुचति व्यय:**
    - फ्लैगशपि BBBP योजना के तहत मीडयि अभयिानों पर 80% धनराशखिर्च की गई।
    - इस योजना के तहत प्रत्येक ज़लिे के लयि छ: वभिन्नि प्रावधानों के अंतरगत प्रतविर्ष 50 लाख रुपए के व्यय की व्यवस्था की गई।
      - 50 लाख रुपये में से 16% फंड अंतर-क्षेत्रीय परामर्श या क्षमता नर्िमाण के लयि, 50% नवाचार या जागरूकता पैदा करने की गतविधियिों के लयि 6% नगिरानी और मूल्यांकन के लयि, 10% स्वास्थ्य में क्षेत्रीय हस्तक्षेप के लयि, 10% शक्षिा में क्षेत्रीय हस्तक्षेप के लयि एवं 8% फ्लेक्सी फंड के रूप में होगा।
  - **सफिारशिें:**
    - सरकार को BBBP योजना के तहत वज्ञिापनों पर खर्च पर पुनर्वचिार करना चाहयि तथा शक्षिा और स्वास्थ्य में क्षेत्रीय हस्तक्षेप हेतु नयिोजति व्यय आवंटन पर ध्यान देना चाहयि।
- **BBBP योजना:**
  - **BBBP योजना के बारे में:**
    - इसे जनवरी 2015 में लगि चयनात्मक गर्भपात (Sex Selective Abortion) और गरिते बाल लगि अनुपात (Declining Child Sex Ratio) को संबोधति करने के उद्देश्य से शुरू कयि गया था, जो 2011 में प्रतरि1,000 लड़कों पर 918 लड़कयिों पर था।.
    - यह महलि और बाल वकिास मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परविर कल्याण मंत्रालय तथा मानव संसाधन वकिास मंत्रालय की एक संयुक्त पहल है।
    - यह कार्यक्रम देश के 405 ज़लिों में लागू कयि जा रहा है।
  - **मुख्य उद्देश्य:**
    - लगि आधारति चयन पर रोकथाम।
    - बालकिाओं के अस्तत्वि और सुरक्षा को सुनश्चिति करना।
    - बालकिाओं के लयि शक्षिा की उचति व्यवस्था तथा उनकी भागीदारी सुनश्चिति करना।
    - बालकिाओं के अधकिारों की रक्षा करना।
  - **योजना का प्रदर्शन:**
    - **जन्म के समय लगि अनुपात**

- स्वास्थ्य प्रबंधन सूचना प्रणाली (Health Management Information System- HMIS) से प्राप्त आँकड़ों के अनुसार, वर्ष 2014-15 में जन्म के समय लिंग अनुपात 918 था जो वर्ष 2019-20 में 16 अंकों के सुधार के साथ बढ़कर 934 हो गया है।
    - **महत्त्वपूर्ण उदाहरण:**
        - मऊ (उत्तर प्रदेश) में वर्ष 2014-15 से वर्ष 2019-20 तक लिंग अनुपात 694 से बढ़कर 951 हुआ है।
        - करनाल (हरियाणा) में वर्ष 2014-15 से वर्ष 2019-20 तक यह अनुपात 758 से बढ़कर 898 हो गया है।
        - महेन्द्रगढ़ (हरियाणा) में वर्ष 2014-15 से वर्ष 2019-20 तक यह 791 से बढ़कर 919 हुआ है।
- **स्वास्थ्य:**
    - **ANC पंजीकरण:** पहली तिमाही में प्रसव पूर्व देखभाल (AnteNatal Care- ANC) पंजीकरण में सुधार का रुझान वर्ष 2014-15 के 61% से बढ़कर वर्ष 2019-20 में 71% देखा गया है।
    - संस्थागत प्रसव में सुधार का प्रतिशत वर्ष 2014-15 के 87% से बढ़कर वर्ष 2019-20 में 94% तक पहुँच गया है।
- **शिक्षा:**
    - **सकल नामांकन अनुपात (GER):** शिक्षा के लिये एकीकृत ज़िला सूचना प्रणाली (UDISE) के अंतिम आँकड़ों के अनुसार, माध्यमिक स्तर पर स्कूलों में बालिकाओं के सकल नामांकन अनुपात (Gross Enrolment Ratio-GER) में 77.45 (वर्ष 2014-15) से 81.32 (वर्ष 2018-19) तक सुधार हुआ है।
    - **बालिकाओं के लिये शौचालय:** बालिकाओं के लिये अलग शौचालय वाले स्कूलों का प्रतिशत वर्ष 2014-15 के 92.1% से बढ़कर वर्ष 2018-19 में 95.1% हो गया है।
- **मनोवृत्ति परिवर्तन:**
    - BBBP योजना कन्या भ्रूण हत्या, बालिकाओं में शिक्षा की कमी और जीवन चक्र की निरंतरता के अधिकार से उन्हें वंचित करने जैसे महत्त्वपूर्ण मुद्दे पर ध्यान केंद्रित करने में सक्षम है।
    - 'बेटी जन्मोत्सव' प्रत्येक ज़िले में मनाए जाने वाले प्रमुख कार्यक्रमों में से एक है।

बालिकाओं के लिये अन्य पहलें:

- **उज्ज्वला (UJJAWALA):** यह मानव तस्करी की समस्या से निपटने से संबंधित है जो वाणिज्यिक उद्देश्यों के लिये किये गए यौन शोषण व तस्करी के शिकार पीड़ितों और उनके बचाव, पुनर्वास तथा एकीकरण के लिये एक व्यापक योजना है।
- किशोरी स्वास्थ्य कार्ड: किशोर लड़कियों का वज़न, ऊँचाई, बॉडी मास इंडेक्स (Body Mass Index- BMI) के बारे में जानकारी दर्ज करने के उद्देश्य से इन स्वास्थ्य कार्डों को आँगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से बनाया जाता है।
- किशोरियों के लिये योजना (Scheme for Adolescent Girls- SAG)।
- सुकन्या समृद्धि योजना (Sukanya Samridhi Yojana) आदि।

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/beti-bachao-beti-padhao-scheme-1